

होशे

होशे के द्वारा यहोवा परमेश्वर का सन्देश

1 यह यहोवा का वह सन्देश है, जो बेरी के पुत्र होशे के द्वारा प्राप्त हुआ। यह सन्देश उस समय आया था जब यहूदा में उज्जियाह, योताम, आहाज और हिजकियाह का राज्य था। यह उन दिनों की बात है जब इम्राएल के राजा योआश के पुत्र यारोबाम का समय था।

2 होशे के लिये यह यहोवा का पहला सन्देश था। यहोवा ने कहा, "जा, और एक वेश्या से विवाह कर ले फिर उस वेश्या से संतान पैदा कर। क्यों? क्योंकि इस देश के लोग वेश्या का सा आचरण कर रहे हैं। वे यहोवा के प्रति सच्चे नहीं रहे हैं। उन्होंने यहोवा को त्याग दिया है।"

यिज़्रेल का जन्म

3 सो होशे ने दिबलैम की पुत्री गोमेर से विवाह कर लिया। गोमेर गर्भवती हुई और उसने होशे के लिये एक पुत्र को जन्म दिया। 4 यहोवा ने होशे से कहा, "इसका नाम यिज़्रेल रखो। क्यों? क्योंकि मैं शीघ्र ही यिज़्रेल घाटी में की गई हत्याओं के लिये यहू के परिवार को दण्ड दूँगा फिर इसके बाद इम्राएल के वंश के राज्य का अंत कर दूँगा 5 उसी समय यिज़्रेल घाटी में, मैं इम्राएल के धनुष को तोड़ दूँगा।"

लोरुहामा का जन्म

6 इसके बाद गोमेर फिर गर्भवती हुई और उसने एक कन्या को जन्म दिया। यहोवा ने होशे से कहा, "इस कन्या का नाम लोरुहामा रख। क्यों? क्योंकि मैं अब इम्राएल के वंश पर और अधिक दया नहीं दिखाऊँगा। मैं उन्हें क्षमा नहीं करूँगा। 7 बल्कि मैं तो यहूदा के वंश पर दया दिखाऊँगा। मैं यहूदा के वंश की रक्षा करूँगा। किन्तु उनकी रक्षा के लिये मैं न तो धनुष और तलवार का प्रयोग करूँगा और नहीं युद्ध के घोड़ों और सैनिकों का, मैं स्वयं अपनी शक्ति से उन्हें बचाऊँगा।"

लोअम्मी का जन्म

8 गोमेर ने अभी लोरुहामा को दूध पिलाना छोड़ा ही था कि वह फिर गर्भवती हो गयी। सो उसने एक पुत्र को जन्म दिया। 9 इसके बाद यहोवा ने कहा, "इसका

नाम लोअम्मी रख। क्यों? क्योंकि तुम मेरी प्रजा नहीं हो और मैं तुम्हारा परमेश्वर नहीं हूँ।"

परमेश्वर यहोवा का वचन: इम्राएली असंख्य होंगे

10 "भविष्य में, इम्राएल की प्रजा इतनी अधिक हो जायेगी जितने सागर की रेत के कण होते हैं। वह रेत जो न तो नापी जा सकती है, और न ही जिसकी गिनती की जा सकती है। फिर उसी स्थान पर जहाँ उनसे यह कहा गया था, 'तुम मेरी प्रजा नहीं हो,' उनसे यह कहा जायेगा 'तुम जीवित परमेश्वर की संतानों हो।'

11 "इसके बाद यहूदा और इम्राएल के लोग एक साथ इकट्ठे किये जायेंगे। वे अपने लिये एक शासक का चुनाव करेंगे। उस धरती के हिसाब से उनकी प्रजा अधिक हो जायेगी! यिज़्रेल का दिन वास्तव में एक महान दिन होगा।"

2 "फिर तुम अपने भाई-बंधुओं से कहा करोगे, 'तुम मेरी प्रजा हो' और अपनी बहनों को बताया करोगे, 'उसने मुझ पर दया दिखायी है।'"

इम्राएल की जाति से यहोवा का कथन

2 "अपनी माँ के साथ विवाद करो! क्योंकि वह मेरी पत्नी नहीं है! और नहीं मैं उसका पति हूँ! उससे कहो कि वह वेश्या न बनी रहे। उससे कहो कि वह अपने प्रेमियों को अपनी छातियों के बीच से दूर हटा दे। यदि वह अपने इस व्यभिचार को छोड़ने से मना करे तो मैं उसे एक दम नंगा कर दूँगा। मैं उसे वैसा करके छोड़ूँगा जैसा वह उस दिन थी, जब वह पैदा हुई थी। मैं उसके लोगों को उससे छीन लूँगा और वह ऐसी हो जायेगी जैसे कोई वीरान रेगिस्तान होता है। मैं उसे प्यासा मार दूँगा। 4 मैं उसकी संतानों पर कोई दया नहीं दिखाऊँगा क्योंकि वे व्यभिचार की संतान होंगी। 5 उनकी माँ ने वेश्या का सा आचरण किया है। उनकी माँ को, जो काम उसने किये हैं, उनके लिये लज्जित होना चाहिये। उसने कहा था, 'मैं अपने प्रेमियों के पास चली जाऊँगी। मेरे प्रेमी मुझे खाने और पीने को देते हैं। वे मुझे ऊन और सन देते हैं। वे मुझे दाखमधु और जैतून का तेल देते हैं।'

6 "इसलिये, मैं (यहोवा) तेरी (इम्राएल) राह काँटों से भर दूँगा। मैं एक दीवार खड़ी कर दूँगा। जिससे उसे

अपना रास्ता ही नहीं मिल पायेगा। 7वह अपने प्रेमियों के पीछे भागेगी किन्तु वह उन्हें प्राप्त नहीं कर सकेगी। वह अपने प्रेमियों को ढूँढती फिरेगी किन्तु उन्हें ढूँढ नहीं पायेगी। फिर वह कहेगी, 'मैं अपने पहले पति (परमेश्वर) के पास लौट जाऊँगी। जब मैं उसके साथ थी, मेरा जीवन बहुत अच्छा था। आज की अपेक्षा, उन दिनों मेरा जीवन अधिक सुखी था।'

8'वह (इज़्राएल) यह नहीं जानती थी कि मैं (यहोवा) ही उसे अन्न, दाखमधु और तेल दिया करता था। मैं उसे अधिक से अधिक चाँदी और सोना देता रहता था। किन्तु इज़्राएल के लोगों ने उस चाँदी और सोने का प्रयोग बाल की मूर्तियाँ बनाने में किया। 9इसलिये मैं (यहोवा) वापस आऊँगा और अपने अनाज को उस समय वापस ले लूँगा जब वह पक कर कटनी के लिये तैयार होगा। मैं उस समय अपने दाखमधु को वापस ले लूँगा जब अँगूर पक कर तैयार होंगे। अपनी ऊन और सन को भी मैं वापस ले लूँगा। ये वस्तुएँ मैंने उसे इसलिये दी थीं कि वह अपने नंगे तन को ढक ले। 10अब मैं उसे वस्त्र विहीन करके नंगा कर दूँगा ताकि उसके सभी प्रेमी उसे देख सकें। कोई भी व्यक्ति उसे मेरी शक्ति से बचा नहीं पायेगा। 11मैं (परमेश्वर) उससे उसकी सारी हँसी खुशी छीन लूँगा। मैं उसके वार्षिक उत्सवों, नये चाँद की दावतों और विश्राम के दिनों के उत्सवों का अंत कर दूँगा। मैं उसकी सभी विशेष दावतों को रोक दूँगा। 12उसकी अँगूर की बेलों और अंजीर के वृक्षों को मैं नष्ट कर दूँगा। उसने कहा था, 'ये वस्तुएँ मेरे प्रेमियों ने मुझे दी थीं।' किन्तु अब मैं उसके बगीचों को बदल डालूँगा। वे किसी उजड़े जंगल जैसे हो जायेंगे। उन वृक्षों से जंगली जानवर आकर अपनी भूख मिटायाकरेंगे।

13'वह बाल की सेवा किया करती थी, इसलिये मैं उसे दण्ड दूँगा। वह बाल देवताओं के आगे धूप जलाया करती थी। वह आभूषणों से सजती और नथ पहना करती थी। फिर वह अपने प्रेमियों के पास जाया करती और मुझे भूले रहती।' यहोवा ने यह कहा था।

14'इसलिये, मैं (यहोवा) उसकी मनुहार करूँगा। मैं उसे रेगिस्तान में ले जाऊँगा। मैं उसके साथ दयापूर्वक बातें करूँगा। 15वहाँ मैं उसे अँगूर के बगीचे दूँगा। आशा के द्वार के रूप में मैं उसे आकार की घाटी दे दूँगा। फिर वह मुझे उसी प्रकार उत्तर देगी जैसे उस समय दिया करती थी, जब वह मिस्र से बाहर आयी थी।' 16यहोवा ने यह बताया है।

"उस अवसर पर, तू मुझे 'मेरा पति' कह कर पुकारेगी। तब तू मुझे 'मेरे बाल' नहीं कहेगी। 17मैं बाल देवताओं के नामों को उसके मुख पर से दूर हटा दूँगा। फिर लोग बाल देवताओं के नाम नहीं लिया करेंगे।

18'फिर, मैं इज़्राएल के लोगों के लिये जंगल के पशुओं, आकाश के पक्षियों, और धरती पर रेंगने वाले प्राणियों के साथ एक वाचा करूँगा। मैं धनुष, तलवार और युद्ध के अस्त्रों को तोड़ फेंकूँगा। कोई अस्त्र-शस्त्र उस धरती पर नहीं बच पायेगा। मैं उस धरती को सुरक्षित बना दूँगा जिसे इज़्राएल के लोग शांति के साथ विश्राम कर सकेंगे। 19मैं (यहोवा) तुझे सदा-सदा के लिये अपनी दुल्हन बना लूँगा। मैं तुझे नेकी, खरेपन, प्रेम और करुणा के साथ अपनी दुल्हन बना लूँगा। 20मैं तुझे अपनी सच्ची दुल्हन बनाऊँगा। तब तू सवमुच यहोवा को जान जायेगी 21उस समय, मैं तुझे उत्तर दूँगा।" यहोवा ऐसा कहता है:

"मैं आकाशों से कहूँगा और वे धरती को वर्षा देंगे।

22धरती अन्न, दाखमधु और तेल उपजायेगी और वे थिज़ेल की माँग पूरी करेंगे।

23मैं उसकी धरती पर बहुतेरे बीजों को बोऊँगा। मैं लोरुहामा पर दया दिखाऊँगा; मैं लोअम्मी से कहूँगा 'तू मेरी प्रजा है' और वे मुझसे कहेंगे, 'तू हमारा परमेश्वर है।'"

होशे का गोमेर को दास्ता से छुड़ाना

3इसके बाद यहोवा ने मुझसे फिर कहा, "यद्यपि गोमेर के बहुत से प्रेमी हैं। किन्तु तुझे उससे प्रीत बनाये रखनी चाहिये। क्यों? क्योंकि यह तेरा यहोवा कासा आचरण होगा। यहोवा इज़्राएल की प्रजा पर अपना प्रेम बनाये रखता है किन्तु इज़्राएल के लोग अन्य देवताओं की पूजा करते रहते हैं और वे दाख के पुओं को खानापसंद करते हैं।"

2सो मैंने गामेर को चाँदी के पन्द्रह सिक्कों और नौ बुशल जौ के बदले खरीद लिया। अफिर उससे कहा, "तुझे घर में मेरे साथ बहुत दिनों तक रहना है। तुझे किसी वेश्या के जैसा नहीं होना चाहिये। किसी पराये पुरुष के साथ तुझे नहीं रहना है। मैं तभी वास्तव में तेरा पतिबनूँगा।"

4इसी प्रकार, इज़्राएल के लोग बहुत दिनों तक बिना किसी राजा या मुखिया के रहेंगे। वे बिना किसी बलिवान अथवा बिना किसी स्मृति पत्थर के रहेंगे। उनके पास कोई याजकों की पोशाक नहीं होगी या उनके कोई गृह देवता नहीं होंगे। इससे बाद इज़्राएल के लोग वापस लौट आयेंगे और तब वे अपने यहोवा परमेश्वर और अपने राजा दाऊद की खोज करेंगे। अंतिम दिनों में वे यहोवा को और उसकी नेकी को आदर देने आयेंगे।

इज़्राएल पर यहोवा का कोप

4 हे इज़्राएल के लोगों, यहोवा के सन्देश को सुनो! यहोवा इस देश में रहने वाले लोगों के विरुद्ध

अपने तर्क बतायेगा। वास्तव में इस देश के लोग परमेश्वर को नहीं जानते। ये लोग परमेश्वर के प्रति सच्चे और निष्ठावान नहीं हैं। 2ये लोग कसमें खाते हैं, झूठ बोलते हैं, हत्याएँ करते हैं और चोरियाँ करते हैं। वे व्यभिचार करते हैं और फिर उससे उनके बच्चे होते हैं। ये लोग एक के बाद एक हत्याएँ करते चले जाते हैं। 3इसलिये यह देश ऐसा हो गया है जैसा किसी की मृत्यु के ऊपर रोता हुआ कोई व्यक्ति हो। यहाँ के सभी लोग दुर्बल हो गये हैं। यहाँ तक कि जंगल के पशु, आकाश के पक्षी और सागर की मछलियाँ मर रही हैं। 4किसी एक व्यक्ति को किसी दूसरे पर न तो कोई अभियोग लगाना चाहिये और न ही कोई दोष मढ़ना चाहिये। हे याजक, मेरा तर्क तुम्हारे विरुद्ध है! 5हे याजकों, तुम्हारा पतन दिन के समय होगा और रात के समय तुम्हारे साथ नबी का भी पतन हो जायेगा और मैं तुम्हारी माता को नष्ट कर दूँगा। 6मेरी प्रजा का विनाश हुआ क्योंकि उनके पास कोई ज्ञान नहीं था किन्तु तुमने तो सीखने से ही मना कर दिया। सो मैं तुम्हें अपना याजक बनने का निषेध कर दूँगा। तुमने अपने परमेश्वर के विधान को भुला दिया है। इसलिए मैं तुम्हारी संतानों को भूल जाऊँगा। 7वे अहंकारी हो गये। मेरे विरुद्ध वे पाप करते चले गये। इसलिए मैं उनकी महिमा को लज्जा में बदल दूँगा।

8“याजकों ने लोगों के पापों में हिस्सा बंटया। वे उन पापों को अधिक से अधिक चाहते चले गये। 9इसलिए याजक लोगों से कोई भिन्न नहीं रह गये थे। मैं उन्हें उनके कर्मों का दण्ड दूँगा। उन्होंने जो बुरे काम किये हैं, मैं उनसे उनका बदला चुकाऊँगा। 10वे खाना तो खायेंगे किन्तु उन्हें तृप्ति नहीं होगी! वे वेश्यागमन तो करेंगे किन्तु उनके संतानें नहीं होंगी। ऐसा क्यों? क्योंकि उन्होंने यहोवा को त्याग दिया और वे वेश्याओं के जैसे हो गये।

11“व्यभिचार, तीव्र मदिरा और नयी दाखमधु किसी व्यक्ति की सीधी तरह से सोचने की शक्ति को नष्ट कर देते हैं। 12देखो, मेरे लोग लकड़ी के टुकड़ों से सम्मति माँगते हैं। वे सोचते हैं कि ये छड़ियाँ उन्हें उत्तर देंगी। ऐसा क्यों हो गया? ऐसा इसलिए हुआ कि वे वेश्याओं के समान उन झूठे देवताओं के पीछे पड़े रहे। उन्होंने अपने परमेश्वर को त्याग दिया और वे वेश्याओं जैसे बन बैठे। 13वे पहाड़ों की चोटियों पर बलियाँ चढ़ाया करते हैं। पहाड़ियों के ऊपर बाँज, चिनार तथा बाँज के पेड़ों के तले धूप जलाते हैं। उन पेड़ों तले की छाया अच्छी दिखती है। इसलिये तुम्हारी पुत्रियाँ वेश्याओं की तरह उन पेड़ों के नीचे सोती हैं और तुम्हारी बहुएँ वहाँ पाप पूर्ण यौनाचार करती हैं।

14“मैं तुम्हारी पुत्रियों को वेश्याएँ बनने के लिये अथवा तुम्हारी बहुओं को पापपूर्ण यौनाचार के लिये दोष नहीं दे सकता। लोग वेश्याओं के पास जा कर उनके साथ

सोते हैं और फिर वे मन्दिर की वेश्याओं के पास जा कर बलियाँ अर्पित कर देते हैं। इस प्रकार वे मूर्ख लोग स्वयं अपने आप को ही तबाह कर रहे हैं।

इज़्राएल के लज्जापूर्ण पाप

15“हे इज़्राएल, तू एक वेश्या के समान आचरण करती है। किन्तु यहूदा को अपराधी मत बनने दे। तू गिलगाल अथवा बेतावेन के पास मत जा। यहोवा के नाम पर कसमें मत खा। ऐसा मत कह, ‘यहोवा के जीवन की सौगन्ध!’ 16इज़्राएल को यहोवा ने बहुत सी वस्तुएँ दी थीं। यहोवा एक ऐसे गडेरिये के समान है जो अपनी भेड़ों को घास से भरपूर एक बड़े से मैदान की ओर ले जाता है। किन्तु इज़्राएल जिद्दी है। इज़्राएल उस जवान बछड़े के समान है जो बार-बार, इधर-उधर भागता है। 17एप्रैम भी उसकी मूर्तियों में उसका साथी बन गया। सो उसे अकेला छोड़ दो।

18“एप्रैम ने उनकी मदमत्ता में हिस्सा बटाया। उन्हें वेश्याएँ बने रहने दो। रहने दो उन्हें उनके प्रेमियों के साथ। 19वे उन देवताओं की शरण में गये और उनकी विचार शक्ति जाती रही। उनकी बलियाँ उनके लिये शर्मिंदगी ले कर आईं।”

मुखियाओं ने इज़्राएल और यहूदा से पाप करवाये

5“हे याजकों, इज़्राएल के वंशजों, तथा राजा के परिवार के लोगों, मेरी बात सुनो।

“तुम मिसपा में जाल के समान हो। तुम ताबोर की धरती पर फैलाये गये फँदे जैसे हो। 2तुमने अनेकानेक कुकर्म किये हैं। इसलिए मैं तुम सब को दण्ड दूँगा! 3मैं एप्रैम को जानता हूँ। मैं उन बातों को भी जानता हूँ जो इज़्राएल ने की हैं। हे एप्रैम, तू अब तक एक वेश्या के जैसा आचरण करता है। इज़्राएल पापों से अपवित्र हो गया है। 4इज़्राएल के लोगों ने बहुत से बुरे कर्म किये हैं और वे बुरे कर्म ही उन्हें परमेश्वर के पास फिर लौटने से रोक रहे हैं। वे सदा ही दूसरे देवताओं के पीछे पीछे दौड़ते रहने के रास्ते सोचते रहते हैं। वे यहोवा को नहीं जानते।

5इज़्राएल का अहंकार ही उनके विरोध में एक साक्षी बन गया है। इसलिए इज़्राएल और एप्रैम का उनके पापों में पतन होगा किन्तु उनके साथ ही यहूदा भी ठोकर खायेगा।

6“लोगों के मुखिया यहोवा की खोज में निकल पड़ेंगे। वे अपनी ‘भेड़ों’ और ‘गायों’ को भी अपने साथ ले लेंगे किन्तु वे यहोवा को नहीं पा सकेंगे। ऐसा क्यों? क्योंकि यहोवा ने उन्हें त्याग दिया था। 7वे यहोवा के प्रति सच्चे नहीं रहे थे। उनकी संतानें किसी पराये से थीं। सो अब वह उनका और उनकी धरती का फिर से विनाश करेगा।”

इब्राएल के विनाश की भविष्यवाणी

8तुम गिबाह में नरसिंगे को फूँको, रामा में तुम तुरही बजाओ, बेतावेन में तुम चेतावनी दो। बिन्यामीन, शत्रु तुम्हारे पीछे पड़ा है।

9एप्रैम दण्ड के समय में उजाड़ हो जायेगा। हे इब्राएल के घरानो मैं (परमेश्वर) तुम्हें सचेत करता हूँ कि निश्चय ही वे बातें घटेंगी।

10यहूदा के मुखिया चोर से बन गये हैं। वे किसी और व्यक्ति की धरती चुराने का जतन करते रहते हैं। इसलिये मैं (परमेश्वर) उन पर क्रोध पानी सा उंडेलूँगा।

11एप्रैम दण्डित किया जायेगा, उसे कुचला और मसला जायेगा जैसे अंगूर कुचले जाते हैं। क्योंकि उसने निकम्मे का अनुसरण करने का निश्चय किया था।

12मैं एप्रैम को ऐसे नष्ट कर दूँगा जैसे कोई कीड़ा किसी कपड़े के टुकड़े को बिगाड़े। यहूदा को मैं वैसे नष्ट कर दूँगा जैसे सड़ाहट किसी लकड़ी के टुकड़े को बिगाड़े। 13एप्रैम अपना रोग देख कर और यहूदा अपना घाव देख कर अश्रू की शरण पहुँचेंगे। उन्होंने अपने समस्याएँ उस महान राजा को बतायी थी। किन्तु वह राजा तुझे चंगा नहीं कर सकता, वह तेरे घाव को नहीं भर सकता है।

14क्योंकि मैं एप्रैम के हेतु सिंह सा बनूँगा और मैं यहूदा की जाति के लिये एक जवान सिंह बनूँगा। मैं—हाँ, मैं (यहोवा) उनके चिथड़े उड़ा दूँगा। मैं उनको दूर ले जाऊँगा, मुझसे कोई भी उनको बचा नहीं पायेगा।

15फिर मैं अपनी जगह लौट जाऊँगा जब तक कि वे लोग स्वयं को अपराधी नहीं मानेंगे, जब तक वे मुझको खोजते न आवेंगे। हाँ! अपनी विपत्तियों में वे मुझे ढूँढने का कठिन जतन करेंगे।

यहोवा की ओर लौट आने का प्रतिफल

6 आओ, हम यहोवा के पास लौट आयें। उसने आघात दिये थे वही हमें चंगा करेगा। उसने हमें आघात दिये थे वही उन पर मरहम भी लगायेगा।

2दो दिन के बाद वही हमें फिर जीवन की ओर लौटायेगा। तीसरे दिन वह ही हमें उठा कर खड़ा करेगा, हम उसके सामने फिर जी पायेंगे।

3आओ, यहोवा के विषय में जानकारी करें। आओ, यहोवा को जानने का कठिन जतन करें। हमको इसका पता है कि वह आ रहा है वैसे ही जैसे हम को ज्ञान है कि प्रभात आ रहा है। यहोवा हमारे पास वैसे ही आयेगा जैसे कि बसंत की वह वर्षा आती है जो धरती को सींचती है।

लोग सच्चे नहीं है

4हे एप्रैम, तुम ही बताओ कि मैं (यहोवा) तुम्हारे साथ क्या करूँ? हे यहूदा, तुम्हारे साथ मुझे क्या करना

चाहिये? तुम्हारी आस्था भोर की धुंध सी है। तुम्हारी आस्था उस ओस की बूंद सी है जो सुबह होते ही कहीं चली जाती है।

5मैंने नबियों का प्रयोग किया और लोगों के लिये नियम बना दिये। मेरे आदेश पर लोगों का वध किया गया किन्तु इन निर्णयों से भली बातें ऊपजेंगी।

6क्योंकि मुझे सच्चा प्रेम भाता है न कि मुझे बलियाँ भाती हैं, मुझे भाता है कि परमेश्वर का ज्ञान रखें, न कि वे यहाँ होमबलियाँ लाया करें।

7किन्तु लोगों ने वाचा तोड़ दी थी जैसे उसे आदम ने तोड़ा था। अपने ही देश में उन्होंने मेरे संग विश्वासघात किया।

8गिलाद उन लोगों की नगरी है, जो पाप किया करते हैं। वहाँ के लोग चाल बाज हैं और वे औरों की हत्या करते हैं।

9जैसे डाकू किसी की घात में छुपे रहते हैं कि उस पर हमला करूँ, वैसे ही शकेम की राह पर याजक घात में बैठे रहते हैं। जो लोग वहाँ से गुजरते हैं वे उन्हे मार डालते हैं। उन्होंने बुरे काम किये हैं।

10इब्राएल की प्रजा में मैंने भयानक बात देखी है। एप्रैम परमेश्वर के हेतु सच्चा नहीं रहा था। इब्राएल पाप से बोधयुक्त हो गया है।

11यहूदा, तेरे लिये भी एक कटनी का समय है। यह उस समय होगा, जब मैं अपने लोगों को बंधुआयी से लौटा कर लाऊँगा।

7 मैं इब्राएल को चंगा करूँगा! लोग एप्रैम के पाप जान जायेंगे, लोगों के सामने शोमरोन के झूठ उजागर होंगे। लोग उन चोरों के बरों में जान जायेंगे जो नगर में आते जाते रहते हैं।

2लोगों को विश्वास नहीं है कि मैं उनके अपराधों की याद करूँगा। वे सब और से अपने किये बुरे कामों से घिरे हैं। मुझको उनके वे बुरे कर्म साफ-साफ दिख रहे हैं।

3वे अपने कुकर्मों से निज राजा को प्रसन्न रखते हैं। वे झूठे देवों की पूजा कर के अपने मुखियाओं को खुश करते हैं।

4तंदूर पर पकाने वाला रोटी के लिये आटा गूँथता है। वह तंदूर में रोटी रखा करता है। किन्तु वह आग को तब तक नहीं दहकाता जब तक की रोटी फूल नहीं जाती है। किन्तु इब्राएल के लोग उस नान बाई से नहीं हैं। इब्राएल के लोग हर समय अपनी आग दहकाये रखते हैं।

5हमारे राजा के दिन वे अपनी आग दहकाते हैं, अपनी दाखमधु की दाबतें वे दिया करते हैं। मुखिया दाखमधु की गर्मी से दुखिया गये हैं। सो राजाओं न उन लोगों के साथ हाथ मिलाया है जो परमेश्वर की हँसी करते हैं।

6लोग षडयंत्र रचा करते हैं। उनके उत्तेजित मन भाड़ से धधकते हैं। उनकी उत्तेजनार्थ सारी रात धधका करती हैं, और सुबह होते होते वह जलती हुई आग सी तेज हो जाती हैं।

7वे सारे लोग भभकते हुये भाड़ से हैं, उन्होंने अपने राजाओं को नष्ट किया था। उनके सब शासको का पतन हुआ था। उनमें से कोई भी मेरी शरण में नहीं आया था।”

इम्राएल अपने नाश से बेसुध

8एप्रैम दूसरी जातियों के संग मिला जुला करता है। एप्रैम उस रोटी सा है जिसे दोनो और से वहीं सेंका गया है।

9एप्रैम का बल गैरो ने नष्ट किया है किन्तु एप्रैम को इसका पता नहीं है। सफेद बाल भी एप्रैम पर छिटका दिये गये हैं किन्तु एप्रैम को इसका पता नहीं है।

10एप्रैम का अहंकार उसके विरोध में बोलता है। लोगों ने बहुतेरी यातनायें झेली हैं किन्तु वे अब भी अपने परमेश्वर यहोवा के पास नहीं लौटे हैं। लोग उसकी शरण में नहीं गये थे।

11एप्रैम उस भोले कपोत सा बन गया है जिसके पास कुछ भी समझ नहीं होती है। लोगों ने मिस्र से सहायता मांगी और लोग अशशूर की शरण में गये।

12वे उन देशों की शरण में जाते हैं किन्तु मैं जाल में उनको फसाऊँगा, मैं अपना जाल उनके ऊपर फेकूँगा। मैं उनको ऐसे नीचे खींच लूँगा जैसे गगन के पक्षी खेंच लिये जाते हैं। मैं उनको उनकी वाचाओं का दण्ड दूँगा।

13यह उनके लिये बुरा होगा उन्होंने मुझको मेरी बात मानने से इन्कार किया। इसलिये उनको मिटा दिया जायेगा। मैंने उन लोगों को बचाया था किन्तु वे मेरे विरोध में झूठ बोलते हैं।

14वे कभी मन से मुझे नहीं पुकारते हैं। हाँ, बिस्तर में पड़े हुए वे पुकारा करते हैं। जब वे नया अन्न और नयी दाखमधु मांगते हैं तब पूजा के अंग के रूप में वे अपने अंगों को स्वयं काटा करते हैं। किन्तु वे अपने हृदय में मुझ से दूर हुये हैं।

15मैंने उन्हें सधाया था और उनकी भुजा बलशाली बनायी थी, किन्तु उन्होंने मेरे विरोध में षडयंत्र रचे।

16वे झूठे देवों की ओर मुड़ गये। वे उस धनुष के समान बने जो झूठे लक्ष्य भेद करता है। उनके मुखियालोग अपनी ही शक्ति की शोखी बघारते थे, किन्तु उन्हें तलवार के घाट उतारा जायेगा। फिर लोग मिस्र में उन पर हँसेंगे।

मूर्ति पूजा से इम्राएल का विनाश

8 तुम अपने हाठों से नरसिंगा लगाओ और चेतावनी फूँको। यहोवा के भवन के ऊपर तुम उकाब से

बन जाओ। इम्राएल के लोगों ने मेरी वाचा को तोड़ दिया; उन्होंने मेरे विधान का पालन न किया।

2वे मुझको आर्त स्वर से पुकारते हैं, “हे मेरे परमेश्वर, हम इम्राएल के वासी तुझ को जानते हैं!”

3किन्तु इम्राएल हाय! उसने भली बातों को नकार दिया। इसी से शत्रु उसके पीछे पड़ गया है।

4इम्राएल वासियों ने अपना राजा चुना किन्तु वे मेरे पास सम्मति को नहीं आये। इम्राएल वासियों ने अपने मुखिया चुने थे किन्तु उन्होंने उन्हें नहीं चुना जिनको मैं जानता था। इम्राएल वासियों ने अपने लिये मूर्तियाँ घड़ने में अपने सोने चांदी का प्रयोग किया, इसलिये उनका नाश होगा।

56हे शोमरोन, यहोवा ने तेरे बछड़े का निषेध किया। इम्राएल निवासियों से परमेश्वर कहता है—“मैं बहुत ही कुपित हूँ, इम्राएल के लोगों को उनके पापों के लिये दण्ड दिया जायेगा। कुछ कामगारों ने वे मूर्ति बनाये थे वे परमेश्वर तो नहीं है। शोमरोन के बछड़े को टुकड़े-टुकड़े तोड़ दिया जायेगा।

7“इम्राएल के लोगों ने एक ऐसा काम किया जो मूर्खता से भरा था। वह ऐसा काम था जैसे कोई हवा को बाने लगे। किन्तु उनके हाथ बस विपत्तियाँ लगेगी – वे केवल एक बवण्डर काट पायेंगे। खेतों को बीच में अनाज तो उगेगा नहीं, इससे वे भोजन नहीं पायेंगे, और यदि थोड़ा बहुत उग भी जाये तो उसको पराये खा जायेंगे।

8“इम्राएल निगला गया (नष्ट किया गया) है, इम्राएल एक ऐसा बेकार सा पात्र हो गया है जिसको कोई भी नहीं चाहता है। इम्राएल को दूर फेंक दिया गया—दूसरे लोगों के बीच में उन्हें छिटक दिया गया।

9“एप्रैम अपने ‘प्रेमियों’ के पास गया था। जैसे कोई जंगली गधा भटकते। वैसे ही वह अशशूर में भटकाल।

10“इम्राएल अन्यजातियों के बीच निज ‘प्रेमियों’ के पास गया किन्तु अब आपस में इम्राएल निवासियों को मैं इकट्ठा करूँगा। उस शक्तिशाली राजा से वे कुछ सताये जायेंगे।”

इम्राएल का परमेश्वर को बिसराना और मूर्तियों को पूजना

11एप्रैम ने अधिकाधिक वेदियों बनायी थी किन्तु वह तो एक पाप था। वे वेदियाँ ही एप्रैम के हेतु पाप की वेदियों बन गईं।

12यद्यपि मैंने एप्रैम के हेतु दस हजार नियम लिख दिये थे, किन्तु उसने सोचा था कि वे नियम जैसे किसी अजनबी के लिये हों।

13इम्राएल के लोगों को बलियाँ भाती थी, वे माँस का चढ़ावा चढ़ाते थे और उसको खाया करते थे। यहोवा उनके बलिदानों को नहीं स्वीकारता है। वह उनके

पापों को याद रखता है, वह उनको दण्डित करेगा, उनको मित्र बंदी के रूप में ले जाया जायेगा।

14 इब्राएल ने राजमहल बनाये थे किन्तु वह अपने निर्माता को भूल गया! अब देखो यहूदा ये गढ़ियाँ बनाता है। किन्तु मैं यहूदा के नगरी पर आग को भेजूँगा और वह आग यहूदा की गढ़ियाँ नष्ट करेगा!

देश निकाले का दुःख

9 हे इब्राएल, तू उस पुकार का आनन्द मत मना, जैसे देश-देश के लोग मनाते हैं! तू प्रसन्न मत हो! तूने तो एक वेश्या के जैसा आचरण किया है और परमेश्वर को बिसरा दिया है। तूने हर खलिहान की धरती पर व्यभिचार किया है। 2 किन्तु उन खलिहानों से मिला अन्न इब्राएल को पर्याप्त भोजन नहीं दे पायेगा। इब्राएल के लिये पर्याप्त दाखमधु भी नहीं रहेगी।

3 इब्राएल के लोग यहोवा की धरती पर नहीं रह पायेंगे। एप्रैम मित्र को लौट जायेगा। अशशूर में उन्हें वैसा खाना खाना पड़ेगा जैसा उन्हें नहीं खाना चाहिये। 4 इब्राएल के निवासी यहोवा को दाखमधु का चढ़ावा नहीं चढ़ायेंगे। वे उसे बलियाँ अर्पित नहीं कर पायेंगे। ये बलियाँ उनके लिए विलाप करते हुए की रोटी जैसी होंगी। जो इसे खाएंगे वैसे भी अपवित्र हो जायेंगे। यहोवा के मन्दिर में उनकी रोटी नहीं जा पायेगी। उनके पास बस उतनी सी ही रोटी होगी, जिससे वे मात्र जीवित रह पायेंगे। 5 वे (इब्राएली) यहोवा के अवकाश के दिनों अथवा उत्सवों को मना नहीं पायेंगे।

6 इब्राएल के लोग पूरी तरह से नष्ट होने के डर से अशशूर को गये थे किन्तु मित्र उन्हें इकट्ठा करके ले लेगा। मोप के लोग उन्हें गाड़ देंगे। चौदी से भरे उनके खजानों पर खरपतवार उग आयेगा। उनके डेरों में, कैंटीली झाड़ियाँ उग आयेंगी।

इब्राएल ने सच्चे नबियों को नकारा

7 नबी कहता है, "हे इब्राएल, इन बातों को जान ले दण्ड देने का समय आ गया है। जो बुरे काम तूने किये हैं, तेरे लिये उनके भुगतान का समय आ गया है।" किन्तु इब्राएल के लोग कहते हैं, "नबी मूर्ख है, परमेश्वर की आत्मा से युक्त यह पुरुष उन्मादी है।" नबी कहता है, "तुम्हारे बुरे कामों के लिये तुम्हें दण्ड दिया जायेगा। तुम्हारी घृणा के लिये तुम्हें दण्ड दिया जायेगा।"

8 परमेश्वर और नबी उन पहरेदारों के समान हैं जो ऊपर से एप्रैम पर ध्यान रखे हुए हैं। किन्तु मार्ग तो अनेक फँदों से भरा हुआ है। किन्तु लोग तो नबी से उसके परमेश्वर के घर तक में घृणा करते हैं।

9 गिबा के दिनों की तरह इब्राएल के लोग तो बर्बादी के बीच गहरे उतर चुके हैं। यहोवा इब्राएलियों के पापों का ध्यान कर के, उन्हें उनके पापों का दण्ड देगा।

मूर्ति पूजा के कारण इब्राएल का विनाश

10 जैसे रेगिस्तान में किसी को अँगूर मिल जायें, मेरे लिये इब्राएल का मिलना वैसा ही था। तुम्हारे पूर्वज मुझे ऐसे ही मिले जैसे ऋतु के प्रारम्भ में अंजीर के पेड़ पर किसी को अंजीर के पहले फल मिलते हैं। किन्तु वे तो बाल-पोर के पास चले गये। वे बदल गये और ऐसे हो गये जैसे कोई सड़ी-गली वस्तु होती है। वे जिन भयानक वस्तुओं को (झूठे देवताओं को) प्रेम करते थे, उन्हीं के जैसे हो गये।

इब्राएलियों का वंश नहीं बढ़ेगा

11 इब्राएल का वैभव कहीं वैसे ही उड़ जायेगा, जैसे कोई पक्षी उड़ जाता है। वहाँ न कोई गर्भ धारण करेगा, न कोई जन्म लेगा और न ही बच्चे होंगे। 12 किन्तु यदि इब्राएली अपने बच्चे पाल भी लेंगे तो भी सब बेकार जायेगा। मैं उनसे उनके बच्चे छीन लूँगा। मैं उन्हें त्याग दूँगा और उन्हें विपदाओं के अलावा कुछ भी नहीं मिल पायेगा।

13 मैं देख रहा हूँ कि एप्रैम अपनी संतानों को एक फँदों की ओर ले जा रहा है। एप्रैम अपने बच्चों को इस हत्यारे के पास बाहर ला रहा है। 14 हे यहोवा, तुझे उनको जो देना है, उसे तू उन्हें दे दे। उन्हें एक ऐसा गर्भ दे, जो गिर जाता है। उन्हें ऐसे स्तन दे जो दूध नहीं पिला पाते।

15 उनकी समूची बुराई गिल्गाल में है। वहीं मैंने उनसे घृणा करना शुरू किया था। मैं उन्हें मेरे घर से निकल जाने को विवश करूँगा, उनके उन कुकर्मों के लिये जिनको वे करते हैं। मैं उनसे अब प्यार नहीं करता रहूँगा। उनके सभी मुखिया मुझसे बागी हो गये हैं, अब वे मेरे विरोध में हो गये हैं।

16 एप्रैम को दण्ड दिया जायेगा, उनकी जड़ सूख रही है। उनके और अधिक संताने अब नहीं होंगी। चाहे उनके संताने होती रहें किन्तु उनके दुलारे शिशुओं को जो उनके शरीर से पैदा होते हैं मैं मार डालूँगा।

17 वे लोग मेरे परमेश्वर की तो नहीं सुनेंगे; सो वह भी उनकी बात सुनने को नकार देगा और फिर वे अन्य देशों के बीच बिना किसी घर के भटकते हुये फिरेंगे।

इब्राएल के वैभव ने इब्राएल से मूर्ति पूजा करवाई

10 इब्राएल एक ऐसी दाखलता है जिस पर बहुतेरे फल लगते हैं। इब्राएल ने परमेश्वर से अधिकाधिक वस्तुएँ पाई किन्तु वह झूठे देवताओं के लिये अनेकानेक विदियाँ बनाता ही चला गया। उसकी धरती अधिकाधिक उत्तम होने लगी सो वह अच्छे से अच्छा पत्थर झूठे देवताओं को मान देने के लिये पधरता गया।

2इब्राएल के लोग परमेश्वर को धोखा देने का जतन करते ही रहे। किन्तु अब तो उन्हें निज अपराध मानना चाहिये। यहोवा उनकी वेदियों को तोड़ फेंकेगा, वह स्मृति-स्तूपों को तहस-नहस करेगा।

इब्राएलियों के बुरे निर्णय

3अब इब्राएल के लोग कहा करते हैं, “न तो हमारा कोई राजा है और न ही हम यहोवा का मान करते हैं! और उसका राजा हमारा कुछ नहीं बिगाड़ सकता है!”

4वे वचन तो देते हैं। किन्तु वचन देते हुए बस वे झूठ ही बोलते हैं। वे उन वचनों का पालन नहीं करते! दूसरे देशों के साथ वे ऐसी सन्धि करते हैं, जो सन्धि परमेश्वर को नहीं भाती। न्यायाधीश जोते हुए खेत में उगने वाले जहरीले खरपतवार के जैसे हो गये हैं।

5शोमरोन के लोग बेतावेन में बछड़ों की पूजा करते हैं। ऐसे लोगों को वास्तव में विलाप करना होगा। वे याजक वास्तव में विलाप करेंगे क्योंकि उसकी सुन्दर मूर्ति कही चली गई है। उसे कहीं उठा ले जाया गया। 6उसे अशशूर के महान राजा को उपहार देने के लिए उठा ले जाया गया। एप्रैम की लज्जापूर्ण मूर्ति को वह ले लेगा। इब्राएल को अपनी मूर्तियों पर लज्जित होना होगा। 7शोमरोन के झूठे देवता को नष्ट कर दिया जायेगा। वह पानी पर तैरते हुए किसी लकड़ी के टुकड़े जैसा हो जायेगा।

8इब्राएल ने पाप किये और ऊँचे स्थानों का निर्माण किया। आवेन के ऊँचे स्थान नष्ट कर दिये जायेंगे। उनकी वेदियों पर कँटीली झाड़ियाँ और खरपतवार उग आयेंगे। उस समय वे पर्वतों से कहेंगे, “हमें ढक लो” और पहाड़ियों से कहेंगे, “हम पर गिर पड़ो!”

इब्राएल को अपने पाप का भुगतान करना होगा

9हे इब्राएल, तू गिबा के समय से ही पाप करता आया है और वे लोग वहाँ पाप करते ही चले गये। गिबा के वे दुष्ट लोग सचमुच युद्ध की पकड़ में आ जायेंगे। 10उन्हें दण्ड देने के लिए मैं आऊँगा। उनके विरुद्ध इकट्ठी होकर सेनाएँ चढ़ आयेंगी। इब्राएलियों को उनके दोनों पापों के लिए वे दण्ड देंगी।

11एप्रैम उस सुधारी हुई जवान गाय के समान है जिसे खलिहान में अनाज पर गहाई के लिये चलना अच्छा लगता है। मैं उसके कन्धों पर एक उत्तम जुवा रखूँगा। मैं एप्रैम पर रस्सी लगाऊँगा। फिर यहूदा जुताई करेगा और स्वयं याकब धरती को फोड़ेगा।

12यदि तुम नेकी को बोओगे तो सच्चे प्रेम की फसल काटोगे। अपनी धरती को जोतो और यहोवा की शरण जाओ। यहोवा आयेगा और वह तुम पर वर्षा की तरह नेकी बरसायेगा।

13किन्तु तुमने तो बदी का बीज बोया है और विपत्ति की फसल काटी है। तुमने अपने झूठ का फल भोगा है। ऐसा इसलिये हुआ कि तुमने अपनी शक्ति और अपने सैनिकों पर विश्वास किया। 14इसलिये तुम्हारी सेनायें युद्ध का शोर सुनेंगी और तुम्हारी गदियाँ बह जायेंगी। यह वैसा ही होगा जैसे बेतर्बेल नगर को युद्ध के समय शल्मन ने नष्ट कर दिया था। युद्ध के उस समय अपने बच्चों के साथ माताओं की हत्या कर दी गयी थी। 15बेतेल में तुम्हारे साथ भी ऐसा ही होगा क्योंकि तुमने बहुत से कुकर्म किये हैं। उस दिन के शुरु होने पर इब्राएल के राजा का पूरी तरह विनाश हो जायेगा।

इब्राएल यहोवा को भूल गया

11 “जब इब्राएल अभी बच्चा था, मैंने, (यहोवा ने) उसको प्रेम किया था। मैंने अपने बच्चे को मित्र से बाहर बुला लिया था।

2किन्तु इब्राएलियों को मैंने जितना अधिक बुलाया वे मुझसे उतने ही अधिक दूर हुए थे। इब्राएल के लोगों ने बाल देवताओं को बलियाँ चढ़ाई थी। उन्होंने मूर्तियों के आगे धूप जलाई थी।

3एप्रैम को मैंने ही चलना सिखाया था! इब्राएल को मैंने गोद में उठाया था। और मैंने उन्हें स्वस्थ किया था! किन्तु वे इसे नहीं जानते हैं।

4मैंने उन्हें डोर बांध कर राह दिखाई, डोर-वह प्रेम की डोर थी। मैं उस ऐसे व्यक्ति सा था जिसने उन्हें स्वतंत्रता दिलाई, मैं नीचे की ओर झुका और मैंने उनको आहार दिया था।

5किन्तु इब्राएलियों ने परमेश्वर की ओर मुड़ने से मना कर दिया। सो वे मित्र चले जायेंगे और अशशूर का राजा उनका राजा बन जायेगा। 6उनके नगरों के ऊपर तलवार लटका करेगी। वह तलवार उनके शक्तिशाली लोगों का वध कर देगी। वह उनके मुखियाओं का काम तमाम कर देगी।

7मेरे लोग मेरे लौट आने की बात जोहेंगे, वे ऊपर वाले परमेश्वर को पुकारेंगे किन्तु परमेश्वर उनकी सहायता नहीं करेगा।

यहोवा इब्राएल का विनाश नहीं चाहता

8हे एप्रैम, मैं तुझको त्याग देना नहीं चाहता हूँ। हे इब्राएल, मैं चाहता हूँ कि मैं तेरी रक्षा करूँ। मैं तुझ को अदना सा कर देना नहीं चाहता हूँ। मैं नहीं चाहता हूँ कि तुझ को सबोयीम सा बना दूँ। मैं अपना मन बदल रहा हूँ तेरे लिये प्रेम बहुत ही तीव्र है।

9मैं निज भीषण क्रोध को जीतने नहीं दूँगा। मैं फिर एप्रैम को नष्ट नहीं कर दूँगा। मैं तो परमेश्वर हूँ मैं कोई मनुष्य नहीं। मैं तो वह पवित्र हूँ, मैं तेरे साथ हूँ। मैं अपने क्रोध को नहीं दिखाऊँगा। 10मैं सिंह की दहाड़ सी

गर्जना करूँगा। मैं गर्जना करूँगा और मेरी संताने पास आयेंगी और मेरे पीछे चलेंगी। मेरी संताने जो भय से थर-थर कांप रही है, पश्चिम से आयेंगी।

11 वे कंपकंपते पक्षियों सी मिश्र से आयेंगी। वे कांपते कपोत सी अशशूर की धरती से आयेंगी और मैं उन्हें उनके घर वापस ले जाऊँगा।" यहोवा ने यह कहा था।

12 एप्रैम ने मुझे झूठे देवताओं से ढक दिया। इम्राएल के लोगों ने रहस्यमयी योजनायें रच डालीं। किन्तु अभी भी यहूदा एल के साथ था। यहूदा पवित्रों के प्रति सच्चा था।

यहोवा इम्राएल के विरुद्ध है

12 एप्रैम अपना समय नष्ट करता रहता है। इम्राएल सारे दिन, "हवा के पीछे भागता रहता है।" लोग अधिक से अधिक झूठ बोलते रहते हैं, वे अधिक से अधिक चोरियाँ करते रहते हैं। अशशूर के साथ उन्होंने सन्धि की हुई है और वे अपने जैतून के तेल को मिश्र ले जा रहे हैं। यहोवा कहता है, "इम्राएल के विरोध में मेरा एक अभियोग है। याकूब ने जो कर्म किये हैं, उसे उनके लिए दण्ड दिया जाना चाहिये। अपने किये कुकर्मों के लिये, उसे निश्चय ही दण्ड दिया जाना चाहिये। 3 अभी याकूब अपनी माता के गर्भ में ही था कि उसने अपने भाई के साथ चालबाजियाँ शुरू कर दीं। याकूब एक शक्तिशाली युवक था और उस समय उसने परमेश्वर से युद्ध किया। म्याकूब ने परमेश्वर के स्वर्गदूत से कुशती लड़ी और उससे जीत गया। उसने पुकारा और कृपा करने के लिये विनती की। यह बेतेल में घटा था। उसी स्थान पर उसने हमसे बातचीत की थी। 5हाँ, यहोवा सेनाओं का परमेश्वर है। उसका नाम यहोवा है। 6सो अपने परमेश्वर की ओर लौट आओ। उसके प्रति सच्चे बनो। उचित कर्म करो! अपने परमेश्वर पर सदा भरोसा रखो!

7 "याकूब एक सचमुच का व्यापारी है। वह अपने मित्रों तक को छलता है! उसकी तराजू तक झूठी है। 8 एप्रैम ने कहा, 'मैं धनवान हूँ। मैंने सच्ची सम्पत्ति पा ली है। मेरे अपराधों का किसी व्यक्ति को पता ही नहीं चलेगा। मेरे पापों को कोई व्यक्ति जान ही नहीं पायेगा।'

9 "किन्तु मैं तो तभी से तुम्हारा परमेश्वर यहोवा रहा हूँ जब तुम मिश्र की धरती पर हुआ करते थे। मैं तुझे तम्बूओं में वैसे ही रखूँगा जैसे तू मिलाप के तम्बू के अवसर पर रहा करता था। 10 मैंने नबियों से बात की। मैंने उन्हें अनेक दर्शन दिये। मैंने नबियों को तुम्हें अपने पाठ पढ़ाने के बहुत से तरीके दिये। 11 किन्तु गिलाद में फिर भी पाप है। वहाँ व्यर्थ की अनेक वस्तुएँ हैं। गिलाद में लोग बैलों की बलियाँ अर्पित करते हैं। उनकी बहुत सी वेदियाँ इस प्रकार की हैं, जैसे जुते हुए खेत में मिट्टी की पंक्तियाँ हो।

12 "याकूब आराम की ओर भाग गया था। इस स्थान पर इम्राएल (याकूब) ने पत्नी के लिए मजदूरी की थी। दूसरी पत्नी प्राप्त करने के लिए उसने मेड़े रखी थीं। 13 किन्तु यहोवा एक नबी के द्वारा इम्राएल को मिश्र से ले आया। यहोवा ने एक नबी के द्वारा इम्राएल को सुरक्षित रखा। 14 किन्तु एप्रैम ने यहोवा को बहुत अधिक कुपित कर दिया। एप्रैम ने बहुत से लोगों को मार डाला। सो उसके अपराधों के लिए उसको दण्ड दिया जायेगा। उसका स्वामी (यहोवा) उससे उसकी लज्जा सहन करवायेगा।'

इम्राएल ने अपना नाश स्वयं किया

13 "एप्रैम ने स्वयं को इम्राएल में अत्यन्त महत्वपूर्ण बना लिया। एप्रैम जब बोला करता था, तो लोग भय से थर थर काँपा करते थे किन्तु एप्रैम ने पाप किये उसने बाल को पूजना शुरू कर दिया। 2 फिर इम्राएल अधिक से अधिक पाप करने लगा। उन्होंने अपने लिये मूर्तियाँ बनाईं। कारीगर चाँदी से उन सुन्दर मूर्तियों को बनाने लगे और फिर वे लोग अपने उन मूर्तियों से बातें करने लगे! वे लोग उन मूर्तियों के आगे बलियाँ चढ़ाते हैं। सोने से उन बछड़ों को वे चूमा करते हैं। इसी कारण वे लोग शीघ्र ही नष्ट हो जायेंगे। वे लोग सुबह की उस धुंध के समान होंगे जो आती है और फिर शीघ्र ही गायब हो जाती है। इम्राएली उस भूसे के समान होंगे जिसे खलिहान में उड़ाया जाता है। इम्राएली उस धुँए के समान होंगे जो किसी चिमनी से उठता है और लुप्त हो जाता है।

4 "तुम लोग जब मिश्र में हुआ करते थे, मैं तभी से तुम्हारा परमेश्वर यहोवा रहा हूँ। मुझे छोड़ तुम किसी दूसरे परमेश्वर को नहीं जानते थे। वह मैं ही हूँ जिसने तुम्हें बचाया था। श्मरुभूमि में मैं तुम्हें जानता था उस सूखी धरती में मैं तुम्हें जानता था। 6 मैंने इम्राएलियों को खाने को दिया। उन्होंने वह भोजन खाया। अपना पेट भर कर वे तृप्त हो गये। उन्हें अभिमान हो गया और वे मुझे भूल गये।

7 "मैं इसीलिये उनके लिए सिंह के समान बन जाऊँगा। मैं राह किनारे घात लगाये चीता जैसा हो जाऊँगा। 8 मैं उन पर उस रीछनी की तरह झपट पड़ूँगा, जिससे उसके बच्चे छीन लिये गये हों। मैं उन पर हमला करूँगा। मैं उनकी छतियाँ चीर फाड़ दूँगा। मैं उस सिंह या किसी दूसरे ऐसे हिंसक पशु के समान हो जाऊँगा जो अपने शिकार को फाड़ कर खा रहा होता है।"

परमेश्वर के कोप से इम्राएल को कोई नहीं बचा सकता

9 "हे इम्राएल, मैंने तेरी रक्षा की थी, किन्तु तूने मुझसे मुख मोड़ लिया। सो अब मैं तेरा नाश करूँगा! 10 कहाँ

है तेरा राजा? तेरे सभी नगरों में वह तुझे नहीं बचा सकता है! कहाँ हैं तेरे न्यायाधीश? तूने उनसे यह कहते हुए याचना की थी, 'मुझे एक राजा और अनेक प्रमुख दो।' 11मैं क्रोधित हुआ और मैंने तुम्हें एक राजा दे दिया। मैं और अधिक क्रोधित हुआ और मैंने तुम से उसे छीन लिया।

12"एप्रैम ने निज अपराध छिपाने का जतन किया; उसने सोचा था कि उसके पाप गुप्त हैं। किन्तु उन बातों के लिये उसको दण्ड दिया जायेगा।

13"उसका दण्ड ऐसा होगा जैसे कोई स्त्री प्रसव पीड़ा भोगती है; किन्तु वह पुत्र बुद्धिमान नहीं होगा उसकी जन्म की बेला आयेगी किन्तु वह पुत्र बच नहीं पायेगा।

14"क्या मैं उन्हें कन्न की शक्ति से बचा लूँ? क्या मैं उनको मृत्यु से मुक्त करा लूँ? हे मृत्यु, कहाँ है तेरी व्याधियाँ? हे कन्न, तेरी शक्ति कहाँ है? मेरी दृष्टि से करुणा छिपा रहेगी!

15"इझ्राएल निज बंधुओं के बीच बढ रहा है किन्तु पवन पुरवाई आयेगी। वह यहोवा को आंधी मरुस्थल से आयेगी, और इझ्राएल के कुएँ सूखेंगे। उसका पानी का सोता सूख जायेगा। वह आँधी इझ्राएल के खजाने से हर मूल्यवान वस्तु को ले जायेगी।

16"शोमरोन को दण्ड दिया जायेगा क्योंकि उसने अपने परमेश्वर से मुख फेरा था। इझ्राएली तलवारों से मार दिये जायेंगे उनकी संतानों के चिथड़े उड़ा दिये जायेंगे। उनकी गर्भवती स्त्रियाँ चीर कर खोल दी जायेंगी।"

यहोवा की ओर मुड़ना

14 हे इझ्राएल, तेरा पतन हुआ और तूने परमेश्वर के विरुद्ध पाप किया। इसलिये अब तू अपने परमेश्वर यहोवा की ओर लौट आ। 2जो बातें तुझे कहनी हैं, उनके बारे में सोच और यहोवा की ओर लौट आ। उससे कह, "हमारे पापों को दूर कर और उन अच्छी बातों को स्वीकार कर जिन्हें हम कर रहे हैं। हम अपने मुख से तेरी स्तुति करेंगे।"

3अशशूर हमें बचा नहीं पायेगा। हम घोड़ों पर सवारी नहीं करेंगे। हम फिर अपने ही हाथों से बनाई हुई वस्तुओं को, "अपना परमेश्वर" नहीं कहेंगे। क्यों? क्योंकि बिना माँ-बाप के अनाथ बच्चों पर दया दिखानेवाला बस तू ही है।

यहोवा इझ्राएल को क्षमा करेगा

4यहोवा कहता है, "उन्होंने मुझे त्याग दिया। मैं उन्हें इस के लिये क्षमा कर दूँगा। मैं उन्हें मुक्त भाव से प्रेम करूँगा। मैं अब उन पर क्रोधित नहीं हूँ।

5मैं इझ्राएल के निमित्त ओस सा बनूँगा। इझ्राएल कुमुदिनी के फूल सा खिलेगा। उसकी बढवार लबानोन के देवदार वृक्षों सी होगी।

6उसकी शाखायें जैतून के पेड़ सी बढेंगी वह सुन्दर हो जायेगा। वह उस सुगंध सा होगा जो लबानोन के देवदार वृक्षों से आती है।

7इझ्राएल के लोग फिर से मेरे संरक्षण में रहेंगे। उनकी बढवार अन्न की होगी, वे अंगूर की बेल से फलें-फूलेंगे। वे ऐसे सर्वप्रिय होंगे जैसे लबानोन का दाखमधु है।"

इझ्राएल को मूर्तियों के विषय में

यहोवा की चेतावनी

8"हे एप्रैम, मुझ यहोवा को इन मूर्तियों से कोई सरोकार नहीं है। मैं ही ऐसा हूँ जो तुम्हारी प्रार्थनाओं का उत्तर देता हूँ। मैं ही ऐसा हूँ जो ऊपर से तुम्हारी रखवाली करता हूँ। मैं हरे-भरे सनोवर के पेड़ सा हूँ। तुम्हारे फल मुझसे ही आते हैं।"

अन्तिम सम्मति

9ये बातें बुद्धिमान व्यक्ति को समझनी चाहियें, ये बातें किसी चतुर व्यक्ति को जाननी चाहियें। यहोवा की राहें उचित हैं। सज्जन उसी रीति से जीएंगे; और दुष्ट उन्हीं से मर जायेंगे।

Bible League International and its Global Partners provide Scriptures for millions of people who still do not have the life-giving hope found in God's Word. Every purchase of an Easy-to-Read Translation™ enables the printing of a Bible for a person who needs God's Word somewhere in the world. To provide even more Scriptures for more people, please make a donation at www.bibleleague.org/donate or contact us at Bible League International, 1 Bible League Plaza, Crete, IL 60417, USA. Bible League International exists to develop and provide Easy-to-Read Bible translations and Scripture resources for churches and partners as they help people meet Jesus.

Hindi Holy Bible: Easy-to-Read Version™ (ERV™)

© 1995 Bible League International

Maps, Illustrations © Bible League International

Additional materials © Bible League International

All rights reserved.

This copyrighted material may be quoted up to 1000 verses without written permission. However, the extent of quotation must not comprise a complete book nor should it amount to more than 50% of the work in which it is quoted. This copyright notice must appear on the title or copyright page:

Taken from the Hindi Holy Bible: Easy-to-Read Version™ (ERV™) © 1995 Bible League International and used by permission.

When quotations from the ERV are used in non-saleable media, such as church bulletins, orders of service, posters, transparencies or similar media, a complete copyright notice is not required, but the initials (ERV) must appear at the end of each quotation. Requests for permission to use quotations or reprints in excess of 1000 verses or more than 50% of the work in which they are quoted, or other permission requests, must be directed to and approved in writing by Bible League International.



Bible League International

1 Bible League Plaza

Crete, IL 60417, USA

Phone: 866-825-4636

Email: permissions@bibleleague.org

Web: www.bibleleague.org

B-HIN-89800: ISBN: 978-1-935189-80-0

B-HIN-89992: ISBN: 978-1-935189-99-2

B-HIN-07536: ISBN: 978-1-61870-753-6

B-HIN-61738-POD: ISBN: 978-1-62826-173-8

Free downloads: www.bibleleague.org/downloads

